कलम का सौदा

हिन्दी साप्ताहिक

राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

www.kksnews.com

वर्ष 17 अंक 01 हरिद्वार 02 अगस्त 2022 डाक पंजीयन संख्या: UA/DO/DDN/275/2015-2017 R.N.I. No. UTTHIN/2006/17725 मूल्य 1रुपया पृष्ठ 4

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ग्राम एक सेवक की अवधारणा पर कार्य किये जाएं: सीएम

-सीएम ने ली ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग की बैठक

-पलायन आयोग का नाम पलायन निवारण आयोग रखने के सीएम ने दिए निर्देश

देहरादून (सू.वि.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के उद्देश्य से बने इस आयोग को नाम पलायन निवारण आयोग रखा जाए।

आयोग की सिफारिशों का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हो सके इसके लिए मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाने के निर्देश दिये जिसमें आयोग के सदस्य भी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए एक ग्राम एक सेवक की अवधारणा पर कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य कर रही है। राज्य के विकास से संबंधित नये विषयों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

2025 में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनायेगा। ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तब तक किस-किस क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है, उन क्षेत्रों में कार्ययोजना के साथ ही कार्य एवं उपलब्धि धरातल पर दिखे, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी बैठक का आउटपुट आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलायन आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट के माध्यम से जो सुझाव दिये जा रहे हैं, उन सुझावों को अमल में लाने के लिए संबंधित विभागों द्वारा ठोस कार्ययोजनाएं बनाई जाए। जनकल्याणकारी योजनाओं का लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए गांवों पर केंद्रित योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के संसाधन बढ़ाने एवं अवस्थापना विकास से संबंधित केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का आम जन को पूरा लाभ मिले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में सड़क, रेल कनेक्टिविटी के साथ अवस्थापना विकास के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य में ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग को अपने उद्देश्यों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सीमित दायरा न हो। अधिकांश लोगों को आजीविका से कैसे जोड़ा जा सकता है, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए।

पलायन आयोग की बैठक लेते सीएम।

ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस. नेगी ने कहा कि ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग द्वारा राज्य सरकार को 18 रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि काफी लोगों का रूझान रिवर्स माइग्रेशन की दिशा में बढ़ा है। इस अवसर पर ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के सदस्यों ने भी राज्य के समग्र विकास के लिए किन क्षेत्रों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है, अपने सुझाव दिये। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव शैलेश बगोली, विशेष सचिव डॉ. पराग मुधुकर धकाते, अपर सचिव आनन्द स्वरूप, सदस्य ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग अनिल शाही, रंजना रावत, सुरेश सुयाल, दिनेश रावत एवं राम प्रकाश पैन्यूली उपस्थित थे।

गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए मिलेंगे 25 करोड़

गौरीकुंड से तिलवाड़ा तक होगा सीवरेज प्रणाली निर्माण

देहरादून (सू. वि.)। प्रदेश में नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी जल प्रदूषण नियंत्रण और गंगा तटों पर जनसुविधा विकसित करने के लिए 25 करोड़ की तीन परियोजनाओं को केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय की 43वीं कार्यकारी समिति की बैठक में इसे सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत स्वीकृत परियोजनाएं उत्तराखंड में गंगा और इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, निर्मलता एवं अविरलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। बुधवार को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक जी. अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में उत्तराखंड से अपर सचिव पेयजल उदयराज सिंह शामिल हुए। बैठक में रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा के आरंभ स्थल गौरीकुंड व तिलवाड़ा सीवरेज परियोजना के लिए 23.37 करोड़ की योजना स्वीकृत हुई है। इस योजना से नदियों में प्रदूषित जल प्रवाह को रोकने में यह परियोजना कारगर साबित होगी। परियोजना के पूर्ण होने पर चारधाम यात्रा को अत्यधिक लाभ मिलेगा और नदियों की स्वच्छता व निर्मलता के दृष्टिगत भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। बैठक में दैवीय आपदा वर्ष 2021 में क्षतिग्रस्त हुए देवप्रयाग सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, कर्णप्रयाग एसटीपी और गोपेश्वर एसटीपी की मरम्मत के लिए 87.37 लाख और चंद्रेश्वर नगर, ऋषिकेश में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत निर्मित 7.5 एमएलडी एसटीपी से उत्पन्न ध्वनी स्तर को कम करने के लिए ध्वनिक रोधन लगाने के लिए 82.74 लाख की परियोजना स्वीकृत

की गई है। गौरतलब है कि राज्य को 42वीं कार्यकारी समिति की बैठक में लगभग 43 करोड़ की लागत की चार परियोजनाओं की पूर्व में स्वीकृति दी जा चुकी है।

महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक को बढ़ाई सुरक्षा

हरिद्वार (संवाददाता)। महाशिवरात्रि और कांवड़ मेला आरंभ होने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय से मिली एडवाइजरी के मद्देनजर दक्ष मंदिर समेत शहर व देहात के सभी शिवालयों व मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हरकी पैड़ी पर सुरक्षा की कमान अर्द्धसैनिक बल को सौंपी गई है। सोमवार को एसएसपी योगेंद्र सिंह रावत ने अपनी टीम के साथ सभी क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

मंगलवार को श्रावण माह की महाशिवरात्रि पर शिवालयों में जलाभिषेक व पूजा अर्चना होगी। इस बार यह दो दिन यानी बुधवार को भी होगा। इस कारण महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर ही कनखल स्थित दक्ष मंदिर, बिल्केश्वर कालोनी स्थित बिल्वेश्वर मंदिर, भेल स्थित शिवमंदिर आदि शिवालायों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंदिरों के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

मंदिरों को रंगीन रोशनी से सजाया गया है। एसएसपी डा. योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि हरकी पैड़ी, दक्ष मंदिर समेत अन्य मंदिर, रोडवेज, रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया है। होटल, धर्मशाला में रुके व्यक्तियों की जांच भी की जा रही है।

न्यूज अपडेट्स

फौजी ने खुद को गोली मारी

देहरादून (संवाददाता)। आयुध निर्माणी में सुरक्षा ड्यूटी में तैनात फौजी ने खुद को गोली मार ली गंभीर हालत में उसे मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है रायपुर थाना अध्यक्ष मनमोहन सिंह नेगी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची इस दौरान पता लगा कि गोधन नाम का फौजी गारद ड्यूटी में तैनात था। उसने अचानक खुद को अपनी सर्विस राइफल से गोली मारी। गोली छाती के निचले हिस्से में लगी है।

घर में घुसकर रंगदारी मांगने का आरोप

देहरादून (संवाददाता)। डाक्टर ने घर में घुसकर रंगदारी मांगने के आरोप में दो लोगों पर केस दर्ज कराया है। घटना 11 जून की है। आरोप है कि कपिल बिष्ट, इरफान नागिन, फरीद हुसैन अपने एक अन्य साथी उनके घर में घुस आए। वह छत के रास्ते दरवाजा तोड़कर आए और गाली-गलौच करते हुए दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी। मामले में सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने सीएम और डीजीपी को शिकायत भेजी। इंस्पेक्टर नेहरू कॉलोनी प्रदीप चौहान ने बताया कि उनकी तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है।

एनी डेस्क डाउनलोड कराया फिर ठग लिए 1.14 लाख रुपये

देहरादून (संवाददाता)। ऑनलाइन खरीदारी के चक्कर में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को जाल में फंसाकर एनी डेस्क एप डाउनलोड कराया फिर खाते से 1.14 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इंदिरानगर कॉलोनी निवासी योगेश चंद निवासी की शिकायत पर केस वसंत विहार थाने में दर्ज किया गया है। एसओ विनोद राणा ने बताया कि योगेश चंद ने पिछले दिनों मीशो वेबसाइट से कुछ सामान मंगवाया था। सात जुलाई को एक युवक डिलीवरी देने आया और ओटीपी मांगा। पीड़ित मोबाइल में नेटवर्क न होने से ओटीपी नहीं दे पाए। ऐसे में डिलीवरी करने वाला वापस चला गया। इस दौरान एक नंबर मिला। उस पर संपर्क किया तो उठा नहीं। कटने के बाद एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को डिलीवरी सर्विस से जुड़ा बताया। उसने मदद का झांसा देते हुए पीड़ित से उनके बैंक खाते, यूपीआई आईडी की जानकारी ली।

सम्पादकीय

वारे - न्यारे

पश्चिम बंगाल में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी बता रही है कि ममता बनर्जी भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कितने ही दावे क्यों न करें, लेकिन उनके वरिष्ठ मंत्री भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चटर्जी और शिक्षा राज्य मंत्री परेश चंद्र अधिकारी के यहां छापे मारे थे। ईडी ने चटर्जी से घंटों पूछताछ की। उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।यह मामला तब और तूल पकड़ गया जब ईडी ने चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के यहां से बीस करोड़ रुपए से ज्यादा रकम बरामद किए। खबर के मुताबिक, चटर्जी के यहां छापे के दौरान मिले दस्तावेजों की जांच करती हुई ईडी टीम अर्पिता के घर पहुंची थी। ईडी का दावा है कि यह शिक्षक भर्ती घोटाले की ही रकम है। देखें तो इतनी बड़ी रकम मिलना इसलिए भी गंभीर मामला है कि महिला पार्थ चटर्जी की करीबी बताई जा रही है।ऐसे में उस सरकार पर सवाल क्यों नहीं उठेंगे, जिसका मंत्री ही सवालों के घेरे में है? हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने सफाई दी है कि जिस महिला के घर से नगदी मिली है, उसका सरकार या पार्टी से कोई संबंध नहीं है। हालांकि यह सफाई कुछ उसी तरह की है जिस तरह ऐसे आरोपों के बाद पार्टी और सरकार के मुखिया और प्रवक्ता देते रहते हैं।वैसे यह घोटाला का मामला साल २०१६ का है। तब पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआइ से कराने का निर्देश दिया था। अदालत ने इस मामले में धनशोधन की आशंका जताई थी। इसी कड़ी में इस साल अप्रैल और मई में सीबीआइ ने पार्थ चटर्जी से पूछताछ की और धनशोधन की शिकायत दर्ज करवाई। तभी यह मामला प्रवर्तन निदेशालय के पास चला गया।ऐसा भी नहीं कि भ्रष्टाचार का यह अकेला मामला हो। ममता सरकार के पिछले दो कार्यकालों में भ्रष्टाचार के कई बड़े मामले सामने आए हैं और सरकार के मंत्रियों को जेल भी भेजा गया है। यह तो तब है जब मामले ईडी और सीबीआइ या राज्यों की भ्रष्टाचार निरोधक एजंसियों की पकड़ में आ जाते हैं और उनका खुलासा हो जाता है। वरना कैसे करोड़ों-अरबों के वारे-न्यारे होते होंगे, कौन जानता है! आखिर भ्रष्टाचार के वैश्विक सूचकांक में भारत की स्थिति दयनीय यों ही नहीं बनी हुई है!हालांकि पार्थ चटर्जी के खिलाफ मामला अभी अदालत में चलेगा और जांच एजंसियों को साबित करना होगा कि बीस करोड़ रुपए उसी घूस के हैं जो शिक्षक भर्ती घोटाले में लोगों से ली गई थी।हालांकि जांच एजेंसियां ऐसी भारी-भरकम नगदी बरामद करती रहती हैं। ऐसे बेहिसाब धन की बरामदगी भ्रष्टाचार मुक्त शासन का वादा और दावा करने वाली सरकारों पर बड़े सवाल खड़े करती हैं। यानी अगर सरकारों में ईमानदारी से काम हो रहा हो रहा है तो आखिर इतनी बेहिसाब दौलत आ कहां से रही है? किसी मंत्री के करीबी या रिश्तेदार के पास से इतनी भारी नगदी मिलना संदेह पैदा क्यों नहीं करेगा? याद किया जा सकता है कि कुछ समय पहले झारखंड की एक वरिष्ठ आइएएस अधिकारी के सीए के यहां से सत्रह करोड़ से ज्यादा की नगदी बरामद हुई थी।पिछले साल उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान कानपुर के एक कारोबारी के यहां से भी लगभग दो सौ करोड़ रुपए नगद मिले थे। घूसखोरी के ऐसे मामलों की कमी नहीं है।

क्या खतरे में हैं हिन्दू ?

दुनिया में इतने लोग हैं, उनके अपने मन हैं, दिमाग हैं और उन सब के पास बोलने के लिए जबान है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। आप किसी की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो छीन नहीं सकते। तो जि?हें जो करना है वो तो करते ही रहेंगे। आप उनके लिए अगर एक रास्ता रोकोगे वो दूसरा रास्ता पकड़ लेंगे। कहीं-न-कहीं तो उनको बोलने के लिए जगह मिल ही जाएगी और ये उचित भी नहीं है कि किसी को उसके मन की बात बोलने से रोक ही दिया जाए। और

तो जो लोग अपने-आपको हि?दू धर्म का हितैशी बोलते हैं उनको बड़ी तकलीफ वगैरह हो रही है। सिर्फप्रतिक्रिया में रोना-चिल्लाना आपको क्या लाभ दे देगा ? , उन्हें वैसे भी रोका नहीं जा सकता।

वो अगर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर भी रहे हैं, तो मैं पूछ रहा हूँ कि हिंदू धर्म वास?तव में क्या है, यह जानना जरूरी है समाज को, जनता को, छात्रों को, बताने के लिए आज तक क्या किया ? उन्हें सही बताए नहीं गया, वेदों ग्रन्थों, उपनिषद, गीता पढ़ने को नही दी और फिर कोई और आ करके अपनी बात बोले जो सच्ची भी हो सकती है झूठी भी हो सकती है, इससे लाभ क्या होगा ? बहुत पढ़ने को मिल रहा है, बहुत लोग बोल रहे हैं कि हिंदू धर्म के बारे में बहुत भ्रामक प्रचार किया जाएगा और गलत बातें बोली जाएँगी। जैसा हिंदू धर्म है नहीं, उसकी उस तरह की छवि दुनिया भर में बनाई जाएगी।

तो अगर आप नहीं चाहते कि हिंदू धर्म की भ्रामक छवि विदेशों में फैले, लोगों के मन में बैठे, तो हिंदू धर्म की जो वास्तविक छवि है, वह आप लोगों तक ले कर जाइए न। पर सनातन धारा की वास्तविकता क्या है, मर्म क्या है सनातन धर्म का, ये बताने वाले तो लोग हैं ही नहीं या बहुत कम हैं।

तो वहाँ पर एक पक्ष खड़ा हुआ है, जो कह रहा है कि हिंदू धर्म इस-इस तरीके की मान्यताओं में यकीन रखता है कि हिंदू धर्म आक्रामक है, हिंदू धर्म में हिंसा बहुत है और भेदभाव बहुत है और हिंदू लोग दूसरे धर्मों के अनुयायियों को सता रहे हैं, पीड़ा दे रहे हैं, इस तरह की बातें आमतौर पर करी जाती हैं। मान लीजिए वहाँ इस तरह की बातें खूब की जा रही हैं। और प्रचार भी यही किया जा रहा है कि हिंदू धर्म फासीवाद का समर्थक है, इत?यादि-इत?यादि और इस तरह की बातें। आप भी तो बताइए न कि हिंदू धर्म फिर वास?तविकता में क?या है। आप विरोध करने को तो खड़े हो जाते हैं कि, ष्नहीं-नहीं-नहीं, वो लोग जो बोल रहे हैं हिंदू धर्म वैसा नहीं है।ष् मैं आपसे पूछ रहा हूँ, वैसा नहीं है, तो कैसा है, ये तो बताइए।

आप ये तो बताने को तैयार हो जाते हैं कि नहीं हिंदू धर्म वैसा नहीं है, जैसा कि उसके विरोधी प्रचार करते हैं। हि?दू धर्म की असलियत क?या है ? वो बताइए। वो असलियत आप बता नहीं पाते क?योंकि ज्यादातर हिंदुओं को पता ही नहीं है कि उनका धर्म है क?या। धर्म के नाम पर बस एक परंपरा जानते हैं। रूढ़ियों का पालन कर रहे हैं, प्रथाओं का पालन कर कर रहे हैं। परंपराओं पर चल रहे हैं और इसी को ही धर्म समझ लेते हैं।

हमारे लिए धर्म अधिक-से-अधिक एक चली आ रही संस्कृति का नाम है। हमने धर्म और संस्कृति को बिलकुल जैसे एक ही समझ लिया है। उनमें संबंध जरूर है, पर वो एक नहीं हैं न। और हमने कौन सी संस?कृति पकड़ ली है ? जो हमको एक संस्कृति का रूप पता है, जो अभी मध्यकाल में प्रचलित था। हम कहते हैं कि यही हिंदू धर्म है। ष्एक हिंदू कौन है ?ष् आप ये बोल ही नहीं पाएँगे कि हिंदू वो है जिसका एक विशेष तरह के दर्शन में विश ?वास है, जिसे एक तरह के दर्शन का ज्ञान है। , क ?योंकि ऐसा कोई दर्शन आप जानते ही नहीं।

आप यह कहेंगे कि जो होली-दिवाली मनाता है, जो तिलक लगाता है, वो हिंदू है। जो राखी बाँधता है, वो हिंदू है। इस तरह की आप बातें करेंगे। एक हि?दू पहचाना भी और कैसे जाता है ? ऐसे ही तो पहचाना जाता है। हि?दू ऐसे थोड़े ही पहचाना जाता है कि जिसको ग्रन्थों का ज्ञान हो, जो शास्त्रों को सम्मान देता हो, उसको हिंदू कहेंगे। हिंदू ऐसे नहीं जाना जाता है। हि?दुओं को हमारे यहाँ ऐसे जाना जाता है कि जो जाकर के रंग उड़ाता है होली में, वो हिंदू है। और हि?दुओं के साथ कौन सी चीजें जुड़ी होती हैं ? कि जो, जो रोटी खाते हैं, जो करी बनाते हैं, वो हिंदू हैं। जो गाय की पूजा करते हैं वो हिंदू हैं।

आप कहेंगे, ष्नहीं-नहीं-नहीं, हिंदू ये सब मात्र थोड़े ही है, हि?दू तो इससे आगे की बात है।ष् इससे आगे की बात क?या है, वो तो आपको खुद नहीं पता। जब आपको खुद नहीं पता, तो आप उनका विरोध कैसे करेंगे जो हिंदू धर्म को बदनाम करते हैं ? आप , ये जो आप कुछ परंपराओं का पालन कर रहे हैं, ये जो कल्चर पकड़ रखा है, एक तरह की संस्कृति, उसके अलावा और उसके आगे हिंदू धर्म क्या है ? हिंदू धर्म का मूल क्या है ? हिंदू धर्म की जड़ क्या है ? मर्म क्या है हिंदू धर्म का ? वो लोगों को खुद ही नहीं पता। यहाँ तक कि जो लोग सबसे बड़े पैरोकार बनते हैं सनातन धर्म के, शायद वो स्वयं भी कम ही जानते हों कि श्सनातनश् माने क्या। तो फिर इसीलिए आप जब विरोध करने निकलोगे, तो नारेबाजी कर लोगे, या आप कुंठाग्रस्त होकर हीन-भावना में आ करके कुछ गाली-गलौज कर लोगे। पर आप कोई ठोस बात नहीं बोल पाओगे क?योंकि आप स?वयं ही नहीं जानते कि हिंदू धर्म माने क्या।और हो भी यही रहा है। लोग कुछ भी कर रहे हैं, हिंदू तब भी कहला रहे हैं, ऐसे कैसे ? कुछ आपको पता तो होना चाहिए। कुछ आपके मन में सामग्री तो होनी चाहिए, कुछ आपका ज्ञान तो होना चाहिए।

ज्ञान बटोरिए पर पहले थोड़ा टटोलिए!

अजीत द्विवेदी

लंबे समय से टेलीविजन पर ऐसा कोई विज्ञापन नहीं आया था, जिसकी चर्चा हो या जिसके मुहावरे लोगों की जुबान पर चढ़ जाएं। कुछ विज्ञापनों का धार्मिक व सांस्कृतिक कारणों से विरोध जरूर हुआ लेकिन कोई विज्ञापन ऐसा नहीं आया था, जो समाज की किसी भी हकीकत पर उंगली रखता हो। यह सूखा दूर हुआ है 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन के विज्ञापन से। नए सीजन के तीन विज्ञापनों ने भारत की मौजूदा समय की सबसे बड़ी समस्याओं पर उंगली रखी है। इस समय भारत की सबसे बड़ी समस्या है, झूठ! और दूसरी समस्या है वैकल्पिक सच की प्रस्थापना! ये दोनों काम पारंपरिक और सोशल मीडिया के जरिए बहुत व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। कुछ लोग किसी खास मकसद से इस काम को अंजाम दे रहे हैं तो कुछ लोग अपनी धार्मिक-सामाजिक आस्था की वजह से इसमें शामिल हैं और कुछ लोग अनजाने में इसका हिस्सा बन रहे हैं।'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन के विज्ञापन में अमिताभ बच्चन इन तीनों किस्म के लोगों को बेनकाब कर रहे हैं।पहली किस्म उन लोगों की है, जो पारंपरिक मीडिया से जुड़े हैं और जिन लोगों ने दो हजार रुपए के नए नोट में चिप लगी होने की खबर दी थी। एक विज्ञापन में इन लोगों का मजाक उड़ाया गया है। बताया गया है कि आंख मूंद कर टेलीविजन चैनलों की खबरों पर भरोसा करने वालों को कितना नुकसान हो सकता है। दूसरी किस्म उन लोगों की है, जिनके लिए न्यूज का एकमात्र स्रोत व्हाट्सऐप संदेश हैं। उनके पास व्हाट्सऐप पर फॉरवर्ड होकर मैसेज आते हैं और वे उन पर भरोसा करते हैं। उनको पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर उनकी प्रोफाइलिंग हुई है और जो मैसेज उनको मिल रहा है वह उनकी जाति, धर्म और राजनीतिक रूझान को जानने के बाद डिलीवर किया जा रहा है। अपने विश्वास या अपनी कंडीशनिंग की वजह से वे इस मैसेज को दिल से स्वीकार करते हैं और उस पर भरोसा करते हैं। दूसरे विज्ञापन में ऐसे लोगों पर तंज है, जो सोशल मीडिया के फॉरवर्ड को अंतिम ज्ञान समझते हैं। तीसरी किस्म उन लोगों की है, जो बेवजह हड़बड़ी में हैं और बिना जांचे-समझे खबरों पर यकीन करते हैं और उसे फॉरवर्ड भी करते हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' के तीसरे विज्ञापन में, ऐसे लोगों पर तंज है, जिनको लगता है कि उनके पास समय बहुत कम है और बहुत काम करना है।तीनों विज्ञापनों की टैगलाइन है कि 'ज्ञान जहां से मिले बटोर लीजिए पर पहले जरा टटोल लीजिए'। यह अच्छी लाइन है। हालांकि यह अलग बात है कि किसी भी सूचना या जानकारी को ज्ञान नहीं कहा जा सकता है। यह भी सही है कि भले 'कौन बनेगा करोड़पति' के निर्माता इसे ज्ञान का कार्यक्रम बताएं लेकिन यह सूचना और जानकारी का कार्यक्रम है। दूसरे, यह एक 'ग्लोरिफायड गैम्बलिंग' की तरह है क्योंकि लोग महीनों, बरसों तक फोन लगाते हैं, तब जाकर उनको इस कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलता है। शुरू के कुछ सीजन में तो इसमें सिर्फ मध्यम या उच्च वर्ग के पढ़े-लिखे और अमीर लोगों को ही मौका मिला। लेकिन बाद में टीआरपी घटने की वजह से इसका फॉर्मेट बदला गया। निर्माताओं ने सामाजिक सरोकार दिखाए और इसे पिछड़े व वंचित भौगोलिक क्षेत्रों और सामाजिक समूहों के लोगों के सशक्तिकरण का माध्यम बनाया। गैर सरकारी संगठनों की मदद के लिए भी इसके कार्यक्रम हुए। इसके बावजूद यह ज्ञान की बजाय सामान्य ज्ञान का कार्यक्रम ही है। पर ध्यान रहे सामान्य ज्ञान ही ज्ञान की ओर यात्रा की पहली सीढ़ी है। सफर वहीं से शुरू होता है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के विज्ञापनों का महत्व दो कारणों से है। पहला कारण तो यह है कि ज्ञान के सफर की पहली सीढ़ी यानी सूचना के माध्यमों को प्रदूषण से बचाने का प्रयास इसमें किया गया है या कम से कम उस खतरे की ओर इशारा किया गया है। मुख्य रूप से सूचना के दो माध्यम हैं- पारंपरिक मीडिया और सोशल मीडिया।

लाखों की अवैध शराब के साथ 2 गिरफ्तार

काशीपुर (संवाददाता)। कुंडा थाना पुलिस ने शराब तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 40 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान खास बात यह रही कि इन शराब तस्करों ने तस्करी वाली बोलेरो गाड़ी पर डाक पार्सल लिखवा रखा था, जिससे गाड़ी कहीं पकड़ी न जाए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। एसएसपी उधम सिंह नगर मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर जिले भर में अवैध नशे के कारोबार के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले भर में लगातार नशे का कारोबार करने वाले सलाखों के पीछे जा रहे हैं। इसी क्रम में बीते रोज थाना कुंडा पुलिस ने जसपुर रोड पर शिवराजपुर पट्टी पुलिस चौकी के पास चेकिंग के दौरान बोलेरो गाड़ी संख्या एचआर 67 सी 3917 में सवार दो युवकों को धर दबोचा। जिनके कब्जे से बोलेरो कार में 40 पेटी अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस की पूछताछ में दोनों शराब तस्करों ने अपना नाम नीरज और अंग्रेज सिंह दोनो निवासी सोनीपत बताया। पूछताछ के दौरान नीरज व अंग्रेज सिंह ने बताया यह शराब चंडीगढ़ से सस्ते दामों में लाकर पर्वतीय क्षेत्र में बेचने के लिये जा रहे थे। जिससे उन्हें काफी मुनाफा हो जाता है। पूछताछ में पता चला कि यह गाड़ी उन्होंने पानीपत निवासी विवेक से किराये पर ली है।

पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग तीन दिनों के लिये होगा बंद

पौड़ी (संवाददाता)। राष्ट्रीय राजमार्ग पौड़ी-देवप्रयाग तीन दिन तक बंद रहेगा। इस मार्ग पर रेल विकास निगम सेतु की लाइव लोड का टेस्ट किया जाना है जिसके कारण रूट डायवर्ट किया गया है। इस राजमार्ग पर चलने वाले वाहनों को कोटद्वार-सतपुली-पौड़ी-श्रीनगर-देवप्रयाग मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। बताया गया कि पौड़ी-देवप्रयाग-गजा-जाजल मोटर मार्ग में एक किमी पुल का भार वाहन क्षमता का मूल्यांकन किया जाना है। लाइव लोड का टेस्ट 25 से 27 जुलाई तक होगा। डीएम डॉ विजय कुमार जोगदंडे के निर्देशों पर तीन दिनों तक पौड़ी-देवप्रयाग मोटर मार्ग पूरी तरह से बंद रहेगा। इस अवधि के दौरान देवप्रयाग-पौड़ी मोटर मार्ग बंद होने से पौड़ी-देवप्रयाग एवं सतपुली-व्यासघाट-देवप्रयाग मोटर मार्ग भी बंद रहेंगे। इन मोटर मार्गों पर आने जाने वाले वाहन सीधे कोटद्वार-सतपुली वाया पौड़ी-श्रीनगर-देवप्रयाग मार्ग पर संचालित होंगे. ऋषिकेश-देवप्रयाग-पौड़ी को आने वाले वाहन वाया देवप्रयाग-श्रीनगर मोटर मार्ग से संचालित होंगे।

खुली बैठक में जमा किए राशन कार्ड

चम्पावत (संवाददाता)। लोहाघाट के रायनगर चौड़ी में खुली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राशन कार्ड धारकों को जरुरी दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान कई लोगों ने अपने राशन कार्ड जमा किए। रायनगर चौड़ी के देवालय मंदिर में ग्राम प्रधान जितेंद्र राय की अध्यक्षता में पर बैठक हुई। वक्ताओं ने वर्तमान में राशन कार्ड के मानकों के बारे में बताया। उन्होंने शासन के नियमानुसार अपात्र व्यक्तियों से अपने राशन कार्ड जमा करने के लिए कहा। कई लोगों ने अपने राशन कार्ड जमा किए। जिसमें समायोजन के लिए पात्र लोगों को चयनित किया गया। कुछ लोगों ने पीला कार्ड भी जमा किया। इस दौरान वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन आदि के पात्र व्यक्तियों का नामांकन कर कारवाई प्रारंभ की गई। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी मीरा बोहरा, आशीष पनुयोली रहे।

सेब दिवस पर कैबिनेट मंत्री ने की शिरकत

टिहरी (संवाददाता)। ऐंदी गांव के नारायण उद्यान में सेब दिवस कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने शिरकत की। गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलित कर सेब दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा किसानों को नई टेक्नोलॉजी के साथ कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के लिए किसान सम्मान निधि योजना शुरू की है। जिसका फायदा हर किसान को मिल रहा है। उन्होंने कहा हम पांच साल में बागवानी के क्षेत्र हिमाचल तक पहुंच जाएंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर गणेश जोशी ने कहा आने वाले समय में उत्तराखण्ड में भी ट्रेनिंग दी जायेगी। इस मौके पर उन्होंने फ्लू पट्टी की घोषणा भी की। गणेश जोशी ने सभी किसानों बागवानी तक सड़क, पानी एवं बिजली पहुंचने के लिए उद्यान सचिव शैलेश बगोली को निर्देश दिए। साथ ही जंगली जानवरों से खेती की सुरक्षा के लिए बजट में बढ़ोतरी के निर्देश दिए। गणेश जोशी ने कहा अखरोट के क्षेत्र किसान काम कर अपनी आय मजबूत कर सकते हैं।

कबीना मंत्री ने नारायण सिंह पावर सोलर प्लांट का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उद्यान डायरेक्टर ने कहा लगभग 500 किसानों ने बगीचे लगाएं हैं। जिसमें 30 उन्नत किसानों को सम्मनित किया गया. यह एक मिशन की शुरुआत है।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

बागेश्वर (संवाददाता)। कपकोट पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष प्रताप नगरकोटी ने बताया कि थाना पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दोरान नरेंद्र मेहता पुत्र हरी सिंह मेहता निवसी गैरखेत के पास से 13 बोतल अवैध शराब बराबद हुई है। वह गोलना क्रशर के पास पुलिस के हत्थे चढ़ा। उसके खिलाफ 60 आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

मातृ-पितृ विहीन छात्र छात्राओं को दी आर्थिक सहायता

कोटद्वार (संवाददाता)। उत्तराखंड लोक साहित्य व सांस्कृतिक मंच की ओर से बीस मातृ पितृ विहीन छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। बुधवार को राजकीय इंटर कालेज कण्वघाटी में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ कर्नल बीबी ध्यानी ने किया। मंच अध्यक्ष एसपी थपलियाल ने कहा कि संस्था लंबे समय से जनपद के विद्यालयों में अध्ययनरत मातृ पितृ विहीन छात्र छात्रों को आर्थिक सहायता देने का कार्य कर रही है ताकि उनकी पढ़ाई न छूटे।

स्कूल जाने के लिए लैंसडौन में जान जोखिम में डाल रहे बच्चे

▶ नदीं में पुल बनाने की उठी मांग

कोटद्वार (संवाददाता)। ग्रामीण क्षेत्रो में आखर ज्ञान के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगाना मजबूरी बन गयी है, ग्रामीण लंबे समय से नदी पर पैदल पुल बनाने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग ऐसी जगहों पर पैदल पुल बनाने को भी उदासीन है।

ग्राम सिमलशेरा, कलेथा, नेगाणा, खच्चर बॉडी, सिद्धपुर, नवाण, मेगणा गांव के लोग आज भी अपनी जान जोखिम में डाल कर नदी पार कर अपने बच्चो को आखर ज्ञान के लिए स्कूल भेजते हैं। जब बरसात में पलेन नदी उफान पर होती है तो बच्चे स्कूल नहीं जा सकते। लंबे समय से ग्रामीण पलेन नदी पर पुल बनाने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन आज तक पैदल पुल का निर्माण नहीं हुआ। वही लैंसडौन विधनसभा में हैट्रिक मार चुके विधायक भी ग्रामीणों को सुविधा देने में नाकाम साबित हो गए। जबकि गांव से 3 किलोमीटर दूर ढौंट्याल में बिना जरूरत के वर्षो पूर्व मोटर पुल का निर्माण कर दिया गया, जो पुल आज भी वाहनों की आवाजाही के लिए तरस रहा है।

वहीं 10वीं की छात्रा सपना और दीपिका का कहना है कि बरसात के समय जब नदी मैं पानी भर जाता है तो लंबे समय तक स्कूल की छुट्टी करनी पड़ती है। कई बार तो ऐसा होता है कि सुबह बारिश नहीं होती और नदी में पानी नहीं होता हम स्कूल चले जाते हैं और दिन में बारिश होती है नदी में पानी भर जाता है उस स्थिति में हमें घंटों जंगल के अंदर एक जगह पर खड़ा रहना पड़ता है। जब पानी कम होता है तब घर का कोई सदस्य आता है और नदी पार करवा कर हमें घर ले जाते हैं।

वहीं ग्रामीण मनोज नेगी का कहना है कि खच्चर बाडी गांव है यहां पर पलेन नदी बहती है, इस नदी का विकराल रूप होता है, जब नदी में पानी बढ़ जाता है तो ग्रामीण, स्कूल के टीचर व स्कूल के बच्चे हो सब को किनारे खड़े हो कर जब तक नदी का पानी कम नहीं होता तो घंटों एक साइड पर खड़ा रहना पड़ता है।

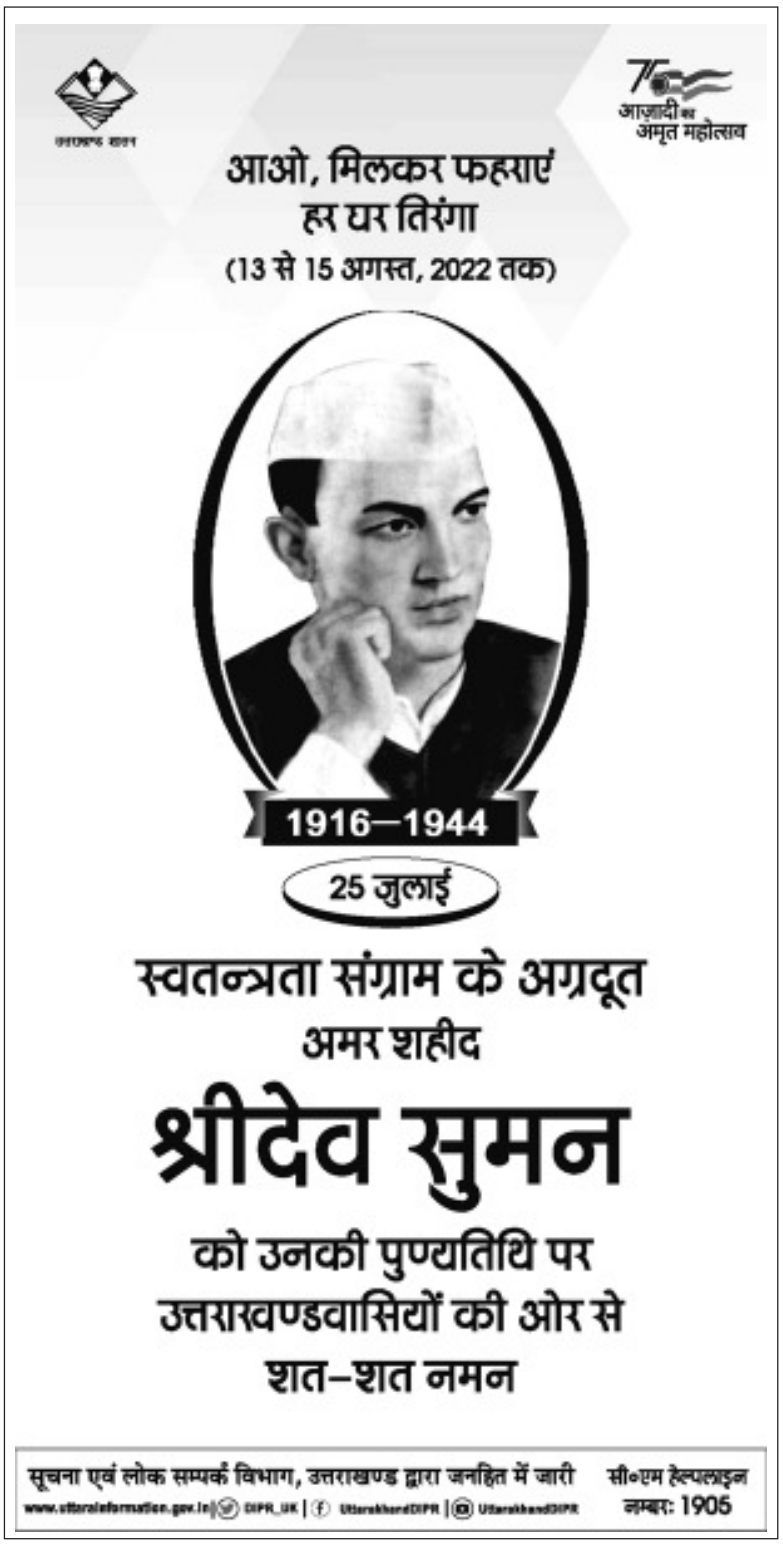

5 गुना अधिक रायल्टी के शासनादेश वापस न लेने पर दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

चमोली (संवाददाता)। दुर्गा देवी ठेकेदार संघ गैरसैंण ने 28 जून को जारी उस आदेश का विरोध करने के संबंध में नायब तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है जिसमें देयक रायल्टी पर 5 गुना अधिक राशि काटे जाने का प्रावधान किया गया है।

इस संबंध में गुरुवार को दुर्गा देवी ठेकेदार संघ ने नायब तहसीलदार राकेश पल्लव के माध्यम से इस काले शासनादेश का विरोध करते हुये सरकार से तुरंत इससे वापस न लेने की दशा में उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गयी है।

इसकी एक प्रति लोनिवि मंत्री को भी प्रेषित की गयी है। ज्ञापन देने वालों में संघ अध्यक्ष बलवीर रावत, संरक्षक हरेन्द्र कंडारी, कोषाध्यक्ष दिनेश चंद्र सचिव सोवन सिंह, दिनेश गौड़, पृथ्वी बिष्ट, रामप्रसाद, कुंदन सिंह, राजेन्द्र नेगी, रमेश सोरियाल,संजय,लक्ष्मण, हुकम, वीरेन्द्र,दलवीर आदि ठेकेदारों के हस्ताक्षर हैं।

नायब तहसीलदार को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते ठेकेदार संघ के कार्यकर्ता ।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कांवड़ यात्रियों पर हेलीकाप्टर से की गयी पुष्प वर्षा

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. योगेन्द्र रावत द्वारा जनपद हरिद्वार के नारसन बार्डर से, कांवड़ पट्टी पर चल रहे, श्रद्धालु कांवड़ियों के ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। श्रद्धालु कांवड़ियों के ऊपर पुष्प वर्षा करने का यह क्रम बैरागी कैम्प, शंकराचार्य चौक, हरि की पैड़ी तथा अपर रोड़ तक संचालित किया गया। पुष्प वर्षा के समय का यह अलौकिक दृश्य देखने लायक था। श्रद्धालु कांवड़िये अपने ऊपर पुष्प वर्षा होते देख भाव विभोर हो रहे थे तथा सरकार द्वारा किये जा रहे स्वागत व अभिनन्दन व्यवस्थाओं की हृदय से प्रशंसा करते दिखाई दिये। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के समय बम-बम भोले की गूंज से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था।

कांवड़ यात्रियों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा करते हुए।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी बुधवार को हरिद्वार में डामकोठी के निकट गंगा घाट पर शिव भक्तों का स्वागत किया। उन्होंने कांवड़ यात्रा में देवभूमि उत्तराखण्ड आये शिव भक्तों के चरण धोकर एवं गंगाजली देकर स्वागत किया था। उन्होंने श्रावण मास में भगवान शंकर को जल अर्पित करना पुरातन परंपरा है। यह मास भगवान शंकर को समर्पित रहता है।

हरिद्वार में प्रतिदिन लाखों शिवभक्तों का कांवड़ यात्रा में शामिल होकर मां गंगा का आशीर्वाद लेने का क्रम निरंतर जारी है। अब तक लाखों शिवभक्त पवित्र गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं। अपने अपने क्षेत्रों के शिवालयों में गंगाजल अर्पण के पश्चात उनकी यात्रा पूर्ण होती है। कावड़ यात्रा के संबंध में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि कावड़ यात्रियों का देवभूमि उत्तराखण्ड में सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए तथा उनकी सेवा में कोई कमी न रहे।

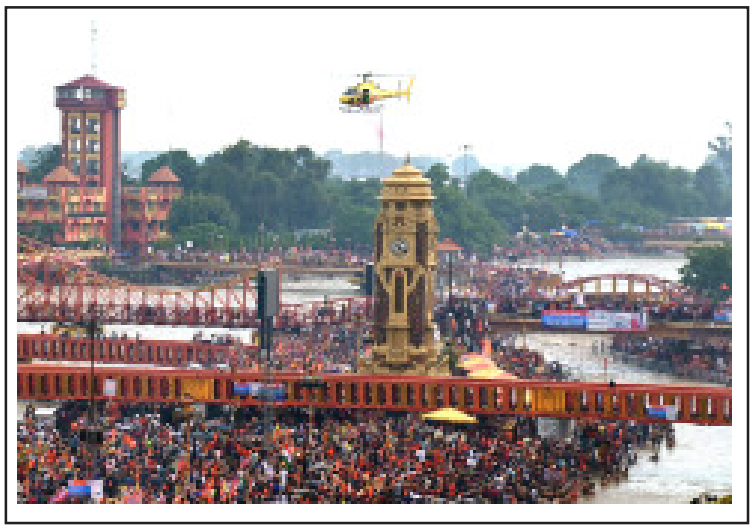

आकाश बायजू के छात्र स्वास्तिक पंत ने आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में 99.40 अंक हासिल किए

देहरादून (संवाददता)। देहरादून के आकाश बायजू के छात्र स्वास्तिक पंत ने परीक्षा की तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई) में 99.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया है। स्वास्तिक ने दसवीं कक्षा की आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में 497/500 अंक प्राप्त किए हैं। इसका परिणाम कुछ दिन पहले घोषित किया गया था।

प्रभावशाली परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, आकाश बायजू के प्रबंध निदेशक, आकाश चौधरी ने कहारू ैहम आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में स्वास्तिक की शानदार उपलब्धि पर प्रसन्न हैं। परीक्षा में प्रभावशाली अंक प्राप्त करने के लिए छात्रों को मौलिक विषयों की समझ बनाने के लिए हमारी अध्ययन सामग्री को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। आकाश का यह निरंतर प्रयास है कि समग्र सीखने की क्षमता और शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार किया जाए। मैं उन्हें भविष्य के लिए और अधिक सफलता की कामना करता हूं। दसवीं कक्षा के आईसीएसई के लिए कुल 231,063 उपस्थित हुए, जिनमें से कुल 99.97 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा पास की है। उद्देश्य छात्रों को अकादमिक सफलता हासिल करने में उनकी मदद करना है। इसकी राष्ट्रीय शैक्षणिक टीम के नेतृत्व में पाठ्यक्रम और सामग्री विकास और संकाय प्रशिक्षण और निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत आंतरिक प्रक्रिया है। पिछले कुछ वर्षों में, आकाशब्बीवाईजेयू के छात्रों ने विभिन्न मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं और एनटीएसई, केवीपीवाई और ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में एक सिद्ध चयन ट्रैक रिकॉर्ड दिखाया है।

सीएम ने राज्य कर विभाग के साथ जीएसटी के सम्बन्ध में की बैठक

-अधिकारियों को स्पॉट वेरिफिकेशन ड्राइव जाने के निर्देश दिए

देहरादून (सू. वि.)। मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने शुक्रवार को सचिवालय में राज्य कर विभाग के साथ जीएसटी के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को स्पॉट वेरिफिकेशन ड्राइव जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए वेरिफिकेशन टीम की संख्या बढ़ाकर अभियान में तेजी लाते हुए पूरे प्रदेश में शुरू किया जाए। मुख्य सचिव ने राज्य कर के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि ईमानदार करदाताओं को परेशान न किया जाए परन्तु कर चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने अपने समानांतर इंटेलिजेंस सिस्टम विकसित कर टैक्स चोरी करने वालों की जानकारी देने वालों को पुरस्कृत किए जाने की बात कही। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिये गये कि जिस अधिकारी के क्षेत्र में करापवंचन होता पाया जायेगा उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक/ दण्डात्मक कार्यवाही की जाय। सभी अधिकारियों की परफार्मेंस रिपोर्ट अधिकारीवार तैयार की जाय और ऐसे अधिकारी, जिनकी परफर्मेंस संतोषजनक नहीं पायी जाती है, के विरूद्ध भी कार्यवाही की जाय। मुख्य सचिव महोदय द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि विभाग की साप्ताहिक समीक्षा की जायेगी।

बैठक के दौरान आयुक्त कर डॉ. अहमद इकबाल ने विभाग में किये जा रहे कार्या के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया गया जिसमें बताया गया कि राज्य क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत कुल एक लाख बारह हजार करदाता पंजीकृत हैं, जिसमें से लगभग 35 हजार ऐसे करदाता हैं जो काफी समय से कोई कर जमा नही कर रहे हैं।

सरकारी विभागों में जेम पर उपलब्ध सामग्री एवं सेवाओं को अनिवार्य रूप से क्रय की व्यवस्था लागू

-सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शासनादेश जारी

-सरकारी खरीद में पारदर्शिता व मितव्ययिता इसका उद्देश्य

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा शासन प्रशासन में पारदर्शिता व मितव्ययिता लाने के निर्देश पर उत्तराखण्ड के शासकीय विभागों एवं उनके अधीनस्थ संस्थाओं में भारत सरकार द्वारा विकसित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, जेम (ळमड) पर उपलब्ध सामग्री एवं सेवाओं को अनिवार्य रूप से खरीदने की व्यवस्था को लागू किया गया। सचिव वित्त सौजन्या द्वारा इसके लिये सभी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं।

सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि राज्य के समस्त सरकारी विभागों, सार्वजनिक उद्यमों/निगमों/स्थानीय निकायों/ स्वायत्तशासी संस्थाओं आदि में अधिक से अधिक सामग्री व सेवाओं के उपार्जन में ई-मार्केट प्लेस (ळमड) पोर्टल का उपयोग किया जाना है। इस हेतु भारत सरकार के सामान्य वित्तीय नियम, 2017 के नियम-149 (समय-समय पर यथासंशोधित) में निहित प्राविधानों के अनुरूप व्यवस्था प्रख्यापित की गई है।

जो सामग्री एवं सेवाएं ळमड पोर्टल पर उपलब्ध है, उनका क्रय ळमड पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य रूप से किया जायेगा। जो सामग्री अथवा सेवायें ळमड पर उपलब्ध नहीं है, उन के लिए उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 (समय-समय पर यथासंशोधित) अथवा अन्य सुसंगत नियमों की व्यवस्था पूर्ववत् लागू होगी।

क्रेता विभागों से यह अपेक्षा की गयी हैं कि क्रय की जाने वाली सामग्री एवं सेवाओं की दरों के उपयुक्त होने (तमेंवदंइसमपजल वि तंजमे) को सुनिश्चित किया जायेगा। सचिव वित्त सौजन्या ने बताया कि ळमड पोर्टल के उपयोग से शासकीय विभागों हेतु क्रय व्यवस्था को पारदर्शिता प्रतिस्पर्धा, निष्पक्षता तथा मितव्ययी बनाया जाना है, ताकि व्यय की जाने वाली धनराशि का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। वित्त विभाग के शासनादेश द्वारा उत्तराखण्ड के शासकीय विभागों एवं उनके अधीनस्थ संस्थाओं में भारत सरकार द्वारा विकसित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, जेम (ळमड) पर उपलब्ध सामग्री एवं सेवाओं को अनिवार्य रूप से क्रय की व्यवस्था को लागू किया गया है। वर्तमान में 23 लक्ष्मी रोड, निदेशक कोषागार पेंशन एवं हकदारी उत्तराखण्ड के कार्यालय परिसर में स्थापित ई-प्रोक्योरमेंट सेल द्वारा जेम पोर्टल से सामग्री एवं सेवाएं अधिप्राप्त किये जाने की प्रक्रिया संबंधी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की पृच्छा के समाधान / पोर्टल पर निविदा अपलोड किये जाने हेतु हेल्प लाईन न0- 8899890000 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उन्नति प्रोजेक्ट के आदर्श किसानों को सम्मानित किया गया

देहरादून (संवाददता)। सेब उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे किसानों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह नैनबाग क्षेत्र में आयोजित किया गया। इसमें किसानों को कृषि मंत्री गणेश जोशी और कृषि सचिव शैलेश बगोली ने किसानों को सम्मानित किया। सेब की पैदावार में अच्छी कृषि पद्धतियों अपनाने पर 20 किसानों को सम्मानित किया गया। इसके द्वारा उनकी उत्पादकता में 5 गुना वृद्धि हुई है जिससे वे अपनी आय को बढा कर अपनी आजीविका में सुधार करने में सक्षम हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी व अन्य।

उन्हें कोका कोला के प्रोजेक्ट उन्नति-एप्पल से परिचित किया गया था जो इंडो-डच हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजीज के साथ मिल कर चलाया जा रहा है और इसका उद्देश्य भारत में और खास कर उत्तराखण्ड में मुख्य रूप से अल्ट्रा हाय डेन्सिटी प्लांटेशन (युएचडीपी) पर आधारित जागतिक सर्वश्रेष्ठ विधियों के द्वारा सेबों की उत्पादकता में वृद्धि करना, यह है ।

इस विधि से जमीन के पर इकाई में मिलने वाली राशि, उत्पादकता और मुनाफे की क्षमता में लक्षणीय वृद्धि होती है और उससे किसानों की आय अत्यधिक बढ़ती है। यह सेबों के उत्पाद में भारत को आत्मनिर्भरता हासिल कराने के लिए भी एक उत्प्रेरक का काम करता है। प्रोजेक्ट एप्पल उन्नती का शुभारंभ 2018 में कोका-कोला इंडिया के मुख्य शाश्वत कृषि कार्यक्रम- फल आधारित सर्क्युलर अर्थव्यवस्था के तहत किया गया था। उसका उद्देश्य भारत में हमारे फल खेतों की प्रभाविता बढ़ा कर, खेतों से जुड़े लिंकेजेस में बढोतरी कर और देश में खाद्य प्रक्रिया क्षमता खड़ी कर भारत की कृषि व्यवस्था की सहायता करना तथा खेत की कम उत्पादकता, तकनिक का कम स्वीकार और फल उद्यम क्षेत्र में फलों की बर्बादी जैसी चुनौतियों के खिलाफ काम करना, यह है।

कोका- कोला किसानों को अपने मुख्य घटकों के लिए सच्चे सप्लाईअर्स समझता है और उनके कल्याण पर बल देने के साथ उनके साथ की साझेदारी का महत्त्व समझता है हमारे पार्टनर्स के साथ हम 2011 से फल उत्पादक किसानों के साथ हमारे उन्नति इस महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें वर्तमान में 5 फलों का समावेश होता है- आम, सेब, अंगूर और लिची तथा उसमें गन्ने जैसे प्राथमिकता होनेवाले साधनों का भी समावेश होता है । इस कार्यक्रम का लाभ अब तक 3.5 लाख से अधिक किसानों को हुआ है।

उनकी उत्पादकता में वृद्धि हेतु उन्हे सहायता करने में और प्रोजेक्ट एप्पल उन्नती के द्वारा उनकी आजीविकाओं में सुधार लाने में सहभाग लेते समय हम कृतज्ञ है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक मोहन राजा द्वारा आर. के. प्रिन्टर्स 43/1, धर्मपुर माता मन्दिर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर 95 बी शुभम विहार, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया
सम्पादक
मोहन राजा
फोन नं0- 01334-212184
Mob- 9997426600
कानूनी सलाहकार
एडवोकेट : के. पी. सिंह (देहरादून)
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून होगा
e-mail
kkalamkasauda@yahoo.in